पाठ्यक्रम

संस्कृत

आठवीं श्रेणी (अगवाई – िनर्देश)

समय : 3 घण्टे

लिखित अंक : =90
आन्तरिक मूल्यांकन = 10
कुल अंक = 100

(क) पाठ्य पुस्तक

1. दो गद्य भागों का अर्थ (हिन्दी या पंजाबी भाषा में)
2. दो पद्यों का अर्थ (हिन्दी या पंजाबी भाषा में)
3. संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अर्थ
4. पाठ विषय संबंधी प्रश्न, पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों के आधार पर
5. रिक्त स्थान पूर्ति, वाक्य परिवर्तन आदि भाषा संबंधी प्रश्न पुस्तक के अभ्यासों के आधार पर
6. हिन्दी सुभाषित, लोकोक्ति, सूक्ति को संस्कृत में लिखना

(ख) व्याकरण

1. (क) स्वर संधि – यण् , अयादि सन्धि
   (ख) व्यंजन संधि – अनुस्वार विधि, जश्त्व विधि, लत्व विधि, श्चुत्व विधि, ष्टुत्व विधि का साधारण परिचय, (पाठ्य पुस्तक में किए गए प्रयोग को समझने के लिए, परीक्षा के लिए नहीं)
2. निम्नलिखत शब्दों को रूप सब विभक्तियों में :–
   (क) ऋकारान्त पुंलिंग – कर्तृ , धातृ, पितृ , दांतृ ।
   (ख) इकारान्त स्त्रीलिंग – मति, गति, भूति, रात्रि ।
   (ग) उकारान्त स्त्रीलिंग – धेनु , तनु ।
3. निम्नलिखित सर्वनामों के रूप सब लिंगों की पंचमी, सत्तमी विभक्ति में :–
   तद्, एतद्, किम्, अस्मद, युष्मद्
4. (क) पचास तक संरव्यावाची शब्दों के रूप केवल प्रथमा विभक्ति में
   (ख) त्रि, चतुर, के रूप तीनों लिंगों और सब विभक्तियों में
   (ग) पंचन् के रूप –बहुवचन में (सभी विभक्तियों में)
5. निम्नलिखित परस्मैपदी धातुओं के रूप
   (क) लट् , लोट् , लड्, , विधिलिड्, , लकारें में
   भ्वादिगण –दा (यच्छ) , गै (गाय्), घ्रा (जिघ्र), याच्, नम्, वस् ।
   तुदादिगण – क्षिप् ,तद् , मुच् (मुंच्)
   दिवादिगण – नृत् ।
   चुरादिगण – चिन्त्, तुल् ।
   (ख) लृत् लकार में (सेट्) – तृ (तर्) भू (भव), कथ् , रच् , क्षल् (अनिट्) – पा, गै (गाय्), स्था, घ्रा ।
6. क्त्वा प्रत्यय का सरल प्रयोग
7. स्त्री प्रत्यय आ और ई का प्रयोग
8. अभितः, अभक्तः परितः, सर्वतः, विना, सह, अलम्, अव्ययों का प्रयोग द्वितीया/ तृतीया विभक्ति के साथ ।

(ग) अनुवादः पाठ्य पुस्तक में दिए गए अभ्यासों में से सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : संस्कृत पुस्तक – 8

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित ।